भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 126
उत्तर देने की तारीख 1 दिसंबर, 2025
10 अग्रहायण, 1947 (शक)

ओपीएस के ज़रिए एथलीटों के लिए सहायता को मज़बूत करना

126. श्री दुष्यंत सिंह:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) के उद्देश्य एवं विशेषताएं क्या हैं तथा यह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए शीर्ष एथलीटों को किस प्रकार समर्थन प्रदान करती है;

(ख) 2036 ओलंपिक गेम्स की मेजबानी हेतु भारत की बोली दावेदारी को मजबूत करने के लिए संस्थागत तैयारी को प्रोत्साहन देने हेतु सरकार इस स्कीम को इसी प्रकार के अन्य राष्ट्रीय प्रयासों के साथ जोड़ने के लिए क्या कदम उठा रही है;

(ग) इस स्कीम के अंतर्गत वर्तमान में कितने एथलीटों को सहायता प्राप्त हो रही है तथा चयन के लिए प्रयुक्त मानदंड एवं अब तक दर्ज की गई प्रमुख उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार आगामी ओलंपिक एवं पैरालंपिक गेम्स से इस स्कीम के विस्तार या सुदृढ़ीकरण करने पर विचार कर रही है, और

(ङ) ओलंपिक सहित भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए टीओपीएस के परिणामों को बड़े क्षमता-निर्माण उपायों के साथ जोड़ने हेतु सरकार ने विभिन्न मंत्रालयों के मध्य समन्वय को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) वर्ष 2014 से कार्यान्वित की जा रही है, जिसका उद्देश्य ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में भारत के पदक जीतने की संभावना को बढ़ाना है। जिसके लिए उत्कृष्ट क्षमता वाले एथलीटों की पहचान कर उन्हें अनुकूलित एंड-टू-एंड सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कीम के प्रमुख घटक निम्नलिखित हैं:

(i) वित्तीय सहायता: टीओपीएस कोर एथलीटों के लिए ₹50,000 प्रतिमाह (ओपीए) और टीओपीएस डेवलपमेंट एथलीटों के लिए ₹25,000 प्रतिमाह आउट ऑफ़ पॉकेट भत्ता।

(ii) प्रशिक्षण और कोचिंग सहायता: प्रमुख विधाओं के लिए विदेशी/भारतीय विशेषज्ञ कोच और उच्च-प्रदर्शन वाले सहायक कर्मियों का नियोजन।

(iii) खेल विज्ञान और सहायक सेवाएं: फिजियोथेरेपी, खेल मनोविज्ञान, पोषण, प्रदर्शन एनालिटिक्स आदि हेतु सहायता।

(iv) अंतरराष्ट्रीय एक्सपोज़र: प्रदर्शन आवश्यकताओं के आधार पर विदेशी प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी हेतु सहयोग।

(v) उच्च-प्रदर्शन सुविधाएं: भारत और विदेश में मान्यता प्राप्त उच्च-प्रदर्शन केंद्रों की उपलब्धता।

(vi) सुव्यवस्थित शासन: मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) द्वारा चयन और निगरानी की जाती है, जिसमें विधाओं के विशेषज्ञ सम्मिलित होते हैं।

(ख): टीओपीएस को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में उत्कृष्ट एथलीटों की भागीदारी हेतु अनुकूलित प्रशिक्षिण समर्थन प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस स्कीम को मंत्रालय की अन्य स्कीमों के तालमेल से कार्यान्वित किया जाता है, जो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं विशेषकर मेगा खेल स्पर्धाओं के लिए खिलाड़ियों की तैयारी और प्रशिक्षण की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। ओलंपिक्स 2036 सहित ऐसी स्पर्धाओं के लिए प्रशिक्षण और तैयारी एक सतत प्रक्रिया है।

(ग): वर्तमान में, टीओपीएस के अंतर्गत निम्नलिखित संख्या में एथलीटों को सहायता प्रदान की जा रही है:

टीओपीएस कोर एथलीट: 51
टीओपीएस विकास एथलीट: 130
टीओपीएस पैरा कोर एथलीट: 52

एथलीटों का चयन ओलंपिक और पैरालंपिक में पदक जीतने की संभावनाओं के आधार पर मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) द्वारा किया जाता है, जो प्रदर्शन, अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग, विशेषज्ञ मूल्यांकन और अर्हता के तरीकों का मूल्यांकन करता है।

टीओपीएस के अंतर्गत सहायता प्राप्त करने वाले एथलीटों की प्रमुख उपलब्धियों में ओलंपिक खेलों, पैरा-ओलंपिक खेलों, एशियन खेलों, पैरा एशियन खेलों, राष्ट्रमंडल खेल और विश्व चैंपियनशिप में पोडियम तक पहुंचना शामिल है।

(घ): इस स्कीम की लगातार समीक्षा की जाती है और होनहार एथलीटों, को शामिल करके उन्नत खेल विज्ञान समर्थन और विदेशी एक्सपोजर की योजनाओं की समयबद्ध स्वीकृति द्वारा इसे सुदृढ़

किया जाता है ताकि ओलंपिक खेलों सहित मेगा खेल स्पर्धाओं के लिए प्रभावी तैयारी सुनिश्चित की जा सके।

(ड.): सरकारी तंत्रों के माध्यम से स्थापित सुविधा विकास, प्रशिक्षण लॉजिस्टिक्स, वीज़ा सुविधा और डोप-रोधी उपायों जैसे मामलों पर अंतर-मंत्रालयी समन्वय सरकारी तंत्रों के माध्यम से किया जाता है, ताकि टीओपीएस के परिणामों से भविष्य के अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए व्यापक क्षमता-विकास सुनिश्चित हो सके।

****